

NCERT SOLUTIONS

CLASS - 6TH



aglasem.com

Class : 6th

Subject : Hindi

Chapter : बाल रामकथा

Name of the Book : बाल रामकथा

Q1 पुस्तक के पहले अध्याय के पहले अनुच्छेद में लेखक ने सजीव ढंग से अवध की तस्वीर प्रस्तुत की है। तुम भी अपने आसपास कि किसी जगह का ऐसा बारीक चित्रण प्रस्तुत करो। यह चित्रण मुहल्ले के चबूतरे, गली की चहल-पहल, सड़क के नज़ारे आदि किसी का भी हो सकता है जिससे तुम अच्छी तरह परिचित हो।

Answer. मेरा जन्म भारत की राजधानी दिल्ली में हुआ। मैं अपने मुहल्ले से बहुत अच्छी तरह से परिचित हूँ। यह जगह ग्रेटर कैलाश है यहां बहुत बड़ी-बड़ी इमारतें तथा मॉल है, चौड़ी-चौड़ी सड़कें और एक बहुत बड़ा बगीचा जहां लोग सुबह और शाम सैर करने आते हैं, बच्चे तरह तरह के खेल खेलते हैं। यह दृश्य काफी मनमोहक होता है। पक्षी भी यहां पर अपना डेरा बना लेते हैं। यह जगह काफी शांत एवं प्रदूषण रहित है। यहां लोग सुशिक्षित है। चारों ओर हरियाली फैली हुई है जो इस जगह को आकर्षण का केंद्र बना देती है।

Page : 85 , Block Name : प्रश्न- अभ्यास

Q2 विश्वामित्र जानते थे कि क्रोध करने से यज्ञ पूरा नहीं होगा इसीलिए वह क्रोध को पी गए। तुम्हें भी कभी-कभी गुस्सा आता होगा तुम्हें कब कब गुस्सा आता है और उसका क्या परिणाम होता है?

Answer. वास्तव में हम सभी जानते हैं कि क्रोध करना हमारे लिए अच्छा नहीं होता परंतु फिर भी हम लोग कभी कभी जानकर और कभी कभी अनजाने में क्रोध करते हैं। मुझे भी गुस्सा आता है जब मुझसे कोई झूठ बोलता है तथा मुझसे सही से व्यवहार नहीं करता तब मुझे गुस्सा आता है। मैं हर बार या कोशिश करता हूँ कि मुझे गुस्सा ना आए पर मैं गुस्से को काबू नहीं कर पाता और इसके परिणाम स्वरूप मुझे काफी नुकसान उठाना पड़ता है जैसे कि मेरा किसी के साथ झगड़ा हो जाता है या फिर मुझे डांट सुननी पड़ जाती है। यहां तक कि मेरा अपने गुस्से के कारण मित्रों से भी झगड़ा हो जाता है और उनसे बोलचाल बंद हो जाती है।

Page : 85 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q3 राम और लक्ष्मण ने महाराज दशरथ के निर्णय को खुशी-खुशी स्वीकार किया तुम्हारी समझ में इसका क्या कारण रहा होगा?

Answer° *राम और लक्ष्मण ने अपने पिता की आज्ञा को खुशी-खुशी स्वीकार कर लिया इसके निम्नलिखित कारण हो सकते हैं:-

*राम और लक्ष्मण आदर्श पुत्र थे। वह वीर भी थे। वे दोनों अपने पिता का बहुत आदर सम्मान करते थे इसलिए उन्होंने उनकी बात नहीं टाली।

*राम और लक्ष्मण अपनी कुल की रीति को जानते थे। रघुकुल के राजाओं ने अपने वचनों का पालन करने के लिए अपनी जान की बाज़ी तक लगा दी थी। राम और लक्ष्मण अपने कुल में वचनों का मान रखने की परंपरा से अच्छी तरह परिचित हैं इसलिए उन्होंने राजा दशरथ के निर्णय को खुशी-खुशी स्वीकार कर लिया।

Page : 85 , Block name : प्रश्न- अभ्यास

Q4 विश्वामित्र ने कहा, “यह जानवर और वनस्पतियां जंगल की शोभा है। इनसे कोई डर नहीं है।” उन्होंने ऐसा क्यों कहा?

Answer. ऋषि विश्वामित्र राजा दशरथ को वचन देकर आए थे कि वह राम और लक्ष्मण की रक्षा करेंगे इसलिए उन्होंने राम और लक्ष्मण से कहा कि यह जानवर और वनस्पतियां जंगल की शोभा है ताकि वह भयभीत ना हो और वनस्पतियों और जानवरों के महत्व को समझ सकें कि वे किस प्रकार प्रकृति की शोभा को बढ़ा रहे हैं।

Page : 85 , Block name : प्रश्न- अभ्यास

Q5 लक्ष्मण ने शूर्पणखा के नाक-कान काट दिए। क्या ऐसा करना उचित था? अपने उत्तर का कारण बताओ।

Answer. शूर्पणखा राम या लक्ष्मण से विवाह करना चाहती थी परंतु दोनों भाइयों ने शूर्पणखा प्रस्ताव ठुकरा दिया था। इसीलिए शूर्पणखा सीता को मारने दौड़ी। लक्ष्मण यह सहन नहीं कर पाए क्योंकि सीता उनके लिए माता समान थी और वह अपनी माता को अपमानित होता हुआ नहीं देख सकते थे। लक्ष्मण का शूर्पणखा की नाक कान काट देना उचित था क्योंकि राम और लक्ष्मण ने उसे समझाने का बहुत प्रयत्न किया पर वह समझना ही नहीं चाह रही थी।

Page : 85 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q6 विश्वामित्र और कैकेयी दोनों ही दशरथ को रघुकुल के वचन निभाने की प्रथा याद दिलाते हैं। तुम अपने अनुभवों की मदद से बताओ कि क्या दिया हुआ वचन निभाना हमेशा संभव होता है?

Answer. विश्वामित्र जब यज्ञ की रक्षा के लिए राम को मांगने आते हैं तब राजा दशरथ विचलित हो जाते हैं। विश्वामित्र तब उन्हें अपने कुल की वचन निभाने की रीति याद दिलाते हैं। कैकेई राम को 14 वर्ष का वनवास देना चाहती थी, राजा दशरथ के ना समझने पर उनसे अपने वचनों की निभाने की प्रथा को याद दिलाती है और ना चाहते हुए भी राजा दशरथ को कैकेयी की बात माननी पड़ती है।

दिया हुआ वचन निभाना हमेशा संभव नहीं हो पाता क्योंकि कभी-कभी ऐसी परिस्थितियां आ जाती है जिसमें मनुष्य अपने दिए हुए वचन को पूरा नहीं कर सकता। जहां तक संभव हो लोगों को अपने वचनों के पालन करने का प्रयास करना चाहिए।

Page : 85 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q7 मान लो कि तुम्हारे स्कूल में रामकथा को नाटक के रूप में खेलने की तैयारी चल रही है। तुम इस नाटक में उसी पात्र की भूमिका निभाना चाहते हो जो तुम्हें सबसे ज्यादा अच्छी, दिलचस्पी या आकर्षक लगती है। वह पात्र कौन सा है और क्यों?

Answer. मैं राम कथा नाटक में राम की भूमिका निभाना चाहूंगा क्योंकि राम अत्यंत आदर्शवादी, वीर, सभ्य, आकर्षक, बड़ों का आदर सम्मान करने वाले एवं वचनों का पालन करने वाले व्यक्ति थे। वे मर्यादा पुरुषोत्तम थे उनके चरित्र में नवीनता और सजीवता बनी रहती है। वह महान योद्धा एवं यथार्थवादी थे।

Page : 85 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q8 सीता बिना बात के राक्षसों के वध के पक्ष में नहीं थी जबकि राम राक्षसों के विनाश को ठीक समझते थे। तुम किस से सहमत हो-राम से या सीता से? कारण बताते हुए उत्तर दो।

Answer. इस विषय में राम और सीता के विचार भिन्न हैं। सीता बिना बात के राक्षसों के वध के पक्ष में नहीं थी जबकि राम राक्षसों के विनाश को जरूरी समझते थे। इस विषय में मैं सीता के साथ हूँ क्योंकि किसी को बिना वजह मारना सही नहीं है जब तक उसने कोई गलत काम ना किया हो। हमें ऐसे ही किसी को मारने का कोई अधिकार नहीं है।

Page : 85 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q9 राम कथा के तीसरे अध्याय में मंथरा कैकयी को समझाती है कि राम को युवराज बनाना उसके बेटे के हक में नहीं है। इस प्रश्न को अपने शब्दों में कक्षा में नाटक के रूप में प्रस्तुत करो।

Answer. (रानी कैकयी के कक्ष का दृश्य। कैकयी आराम कर रही है और तभी मंथरा कैकयी के कक्ष में घबराते हुए आती है।)

मंथरा:- उठो रानी उठो। बहुत बड़ी समस्या आ गई है।

कैकयी:- क्या हुआ ? सब ठीक तो है ना?

मंथरा:- कुछ ठीक नहीं है। महाराज ने कल राम को राजा बनाने की घोषणा की है।

कैकयी:- वाह! यह तो खुशी की बात है।

मंथरा:- तुम्हें कुछ दिख नहीं रहा है क्या? यहां तुम्हारे खिलाफ इतना बड़ा षडयंत्र रचा जा रहा है और तुम खुश हो रही हो।

कैकयी:- कैसा षडयंत्र?

मंथरा:- राम को राजा बनाने की और भरत को जानबूझकर ननिहाल भेज दिया गया है और उन्हें इन सब से दूर रखा जा रहा है।

कैकयी:- राम मुझे मां की तरह प्यार करते हैं षडयंत्र कैसा? राजा बनने का अधिकार राम को ही है वह महाराज के बड़े पुत्र है।

मंथरा:- तुम बहुत भोली हो। राम के राजा बनते ही तुम कौशल्या की दासी और भरत राम के दास बन जायेंगे।

(कैकयी पर मंथरा की बातों का असर होने लगता है।)

कैकयी:- तो अब क्या?

मंथरा:- तुम राजा दशरथ से उनके द्वारा दिए गए वचनों को मांग कर राम को 14 वर्ष का वनवास और भरत के लिए राज्यभिषेक मांग लो।

कैकयी:- परंतु ऐसा होगा कैसे?

मंथरा:- मैं जैसा कहती हूँ वैसा करो, तुम कोपभवन चली जाओ और मैले कपड़े पहन लो राजा दशरथ वहां आएंगे तब तुम अपने दोनों वचन मांग लेना।

Page : 86 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q10 तुमने 'जंगल और जनकपुर' तथा 'दंडक वन में 10 वर्ष' में राक्षसों द्वारा मुनियों को परेशान करने की बात पढ़ी। राक्षस ऐसा क्यों करते थे? क्या यह संभव नहीं था कि दोनों शांति पूर्वक वन में रहते? कारण बताते हुए उत्तर दो।

Answer. राक्षस सदैव आतंक फैलाते रहते थे शांतिपूर्वक रहना उनके स्वभाव के विपरीत था उन्हें जीव तथा वस्तु की हानि करना आदि कार्यों से प्रसन्नता मिलती थी। ठीक इसके उलट मुनि शांति स्वभाव के व्यक्ति थे। उन्हें यज्ञ करना, हवन करना, लोगों की मदद करना आदि कार्यों से प्रसन्नता मिलती थी। राक्षस और मुनियों का स्वभाव बिल्कुल एक दूसरे के विपरीत था इसलिए दोनों एक साथ नहीं रह सकते थे।

Page : 85 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q11 हनुमान ने लंका से लौट कर अंगद और जामवंत को लंका के बारे में क्या क्या बताया होगा?

Answer. लंका से लौट कर हनुमान ने अंगद और जामवंत को लंका नगरी के सुंदरता का वर्णन किया होगा लंका सोने की बनी थी और चारों ओर से सुरक्षित थी। रावण वहां पर ऊंचे सिंहासन पर बैठता है। वहां भव्य महल है। हनुमान ने सीता को अशोक वाटिका में बंदी बनाकर रखा है और वह हर समय राक्षसों से घिरी रहती है यह भी बताया होगा। वहां अशोक के लंबे लंबे पेड़ हैं और उन्होंने सीता से उनकी भेंट के बारे में भी बताया होगा।

Page : 86 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q12 तुमने बहुत सी पौराणिक कथाएं और लोक कथाएं पढ़ी होगी। उनमें क्या अंतर होता है? यह जानने के लिए पांच-पांच के समूह में कक्षा के बच्चे दो-दो पौराणिक कथाएं और लोक कथाएं इकट्ठा करें। कथ्य (कहानी), भाषा आदि के अनुसार दोनों प्रकार की कहानियों का विश्लेषण करें और उनके अंतर लिखें।

Answer. पौराणिक कथाएं:- वेद पुराणों में वर्णित कथाओं को पौराणिक कथा कहते हैं जैसे रामायण, महाभारत आदि।

लोक कथाएं:- किसी एक विशेष प्रांत में प्रचलित कथाएं। जिसे हम आसपास के लोगों से जानते और सुनते हैं।

पौराणिक कथाएं और लोक कथाएं दोनों की प्रामाणिकता पर संदेह है। पौराणिक कथाओं की भाषा साफ-सुथरी एवं हिंदी या संस्कृत होती है जबकि लोक कथाओं की भाषा आम बोलचाल में होती है।

Page : 85 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q13 क्या होता यदि-

(क) राजा दशरथ कैकेयी की प्रार्थना स्वीकार नहीं करते।

(ख) रावण ने विभीषण और अंगद का सुझाव माना होता और युद्ध का फैसला ना किया होता।

Answer. (क) यदि राजा दशरथ कैकेयी की प्रार्थना स्वीकार नहीं करते तो रघुवंश को अच्छे राजा दशरथ से वंचित ना होना होता। राम का राज्य अभिषेक हो जाता परंतु उन्हें वह सम्मान नहीं मिलता जो उन्हें मिल रहा है उनकी मृत्यु के उपरांत भी। राम को 14 साल का वनवास नहीं होता और ना ही रावण द्वारा सीता का हरण होता और ना राम रावण का युद्ध होता।

(ख) यदि रावण, विभीषण और अंगद का सुझाव मान लेता और युद्ध ना करने का फैसला करता तो राम, रावण के बीच भयानक युद्ध ना होता असंख्य लोगों की मौत ना होती और ना रावण की मृत्यु होती।

Page : 86 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q14 नीचे कुछ चारित्रिक विशेषताएं दी गई हैं और तालिका में कुछ पात्रों के नाम दिए गए हैं। प्रत्येक नाम के सामने उपयुक्त विशेषताओं को छांट कर लिखो।

पराक्रमी, साहसी, निडर, पितृभक्त, वीर, शांत, दूरदर्शी, त्यागी, लालची, अज्ञानी, दुश्चरित्र, दीनबंधु, गंभीर, स्वार्थी, उदार, धैर्यवान, अडियल, कपटी, भक्त, न्यायप्रिय और ज्ञानी।

1. राम
2. सीता
3. लक्ष्मण
4. विभीषण
5. हनुमान
6. कैकेयी
7. रावण
8. भरत

Answer

1. राम- पराक्रमी, साहसी, निडर, वीर, शांत, पुत्रभक्त, उदार, गंभीर, धैर्यवान, न्यायप्रिय, ज्ञानी, दीनबंधु।
2. सीता- त्याग, उदार, शांत
3. लक्ष्मण- साहसी, पराक्रमी, निडर, पितृभक्त, वीर, त्यागी दूरदर्शी, भक्त, ज्ञानी
4. विभीषण- दूरदर्शी, साहसी, निडर, वीर, त्याग, गंभीर, भक्त, ज्ञानी
5. हनुमान- पराक्रमी, वीर, साहसी, निडर, शांत, धैर्यवान, भक्त, ज्ञानी
6. कैकेयी- लालची, अज्ञानी, अडियल, स्वार्थी, कपटी
7. रावण- घमंडी, दुश्चरित्र, पराक्रमी, साहसी, निडर, अज्ञानी आडियल, कपटी
8. भरत- त्यागी, भक्त, ज्ञानी, गंभीर, उदार, न्यायप्रिय, धैर्यवान

Page : 86 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

प्र०15 तुमने अपने आसपास के बड़ों से रामायण की कहानी सुनी होगी। रामलीला भी देखी है। क्या तुम्हें अपनी पुस्तक राम कथा की कहानी और बड़ों से सुनी लक्ष्मण की कहानी में कोई अंतर नजर आया? यदि हां तो उसके बारे में कक्षा में बताओ।

उ० हां दोनों में थोड़ा बहुत अंतर है जैसे जब हम ने कहानी सुनी थी तब हमें घटनाओं एवं चरित्र के उल्लेख का सही ढंग से वर्णन नहीं मालूम था जैसे विश्वामित्र राक्षसों से रक्षा के लिए दशरथ और राम को ले गए पर यह बताना भूल गए कि विश्वामित्र कौन थे इस पुस्तक के माध्यम से राम के जीवन की हमें प्रत्येक घटनाओं की जानकारी विस्तार से मिली।

Page : 87 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

प्र०16 राम कथा में कई नदियाँ और स्थानों के नाम आए हैं। उनकी सूची बनाओ और एटलस में देखो की कौन-कौन सी नदियाँ और जगह अभी भी मौजूद है। यह काम तुम 44 समूह में कर सकते हैं।

Answer. राम कथा में आए नदियों तथा स्थानों के नाम निम्नलिखित हैं:-

नदियों के नाम- सरयू, गंगा, गोदावरी, गंडक तथा गोमती और सोन।

स्थानों के नाम- अयोध्या, मिथिला, चित्रकूट, किष्किंधा, कैकेय राज्य, दंडक वन, विंध्यांचल, प्रयाग, श्रृंगवेरपुर, और लंका।

यह सारी जगाए अपने पुराने या नये नामों के साथ आज भी उपस्थित है।

Page : 87 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q17 यह रामकथा वाल्मीकि रामायण पर आधारित है। तुलसीदास द्वारा रचित रामचरितमानस के बारे में जानकारी इकट्ठी करो और उसे चार्टपेपर पर लिखकर कक्षा में लगाओ। जानकारी प्रस्तुत करने के निम्नलिखित बिंदु हो सकते हैं- रामकथा का नाम, रचनाकार का नाम, भाषा / प्रांत

Answer. कथा का नाम- श्रीरामचरितमानस

रचनाकार का नाम- गोस्वामी तुलसीदास

भाषा- संस्कृत

Page : 87 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

Q18 "नगर में बड़ा समारोह आयोजित किया गया। धूमधाम से।" (पृष्ठ 3)

'एक दिन ऐसी ही चर्चा चल रही थी गहन मंत्रणा'। (पृष्ठ 4)

'पांच दिन तक सब ठीक ठाक चलता रहा शांति से निर्विघ्न।' (पृष्ठ 10)

राम कथा की इन पंक्तियों में कुछ वाक्य केवल एक या दो शब्दों के हैं। ऐसा लेखक ने किसी बात पर बल देने के लिए, उसे प्रभावशाली बनाने के लिए या नाटकीय बनाने के लिए किया है। ऐसे कुछ और उदाहरण पुस्तक से छांटो

और देखो कि इन एक दो शब्दों के वाक्य को पिछले वाक्य में जोड़ कर लिखने से बात के अवसर में क्या फर्क पड़ता है। उदाहरण के लिए 'पांच दिन तक सब शांति से निर्विघ्न और ठीक-ठाक चलता रहा।'

Answer. *वे चलते रहे। नदी के घुमाव के साथ-साथ। नदी पार जंगल था। घना दुर्गम।

*महाराज पलंग पर पड़े हैं। बीमार। दीन-हीन।

*वे गंगा किनारे पहुंच गए। श्रृंगवेरपुर गांव में।

Page : 87 , Block Name : प्रश्न अभ्यास

aglasem.com